वर्ष :: 33 अंक : 33
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
# वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 14 मई, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

# चन्द्रपुरा में 800 मेगावाट की एक और इकाई जल्द, 1000 को मिलेगा रोजगार

**परियोजना प्रधान से खास बातचीत**

## ऊर्जा-निर्माण में डीवीसी का बहुत बड़ा योगदान : पांडेय

विजय कुमार झा

**बोकारो :** 'राष्ट्र के उत्थान में डीवीसी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में डीवीसी ने 42 हजार मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन कर राष्ट्र के विकास में अपना सहयोग दिया है। हमने पंजाब, दिल्ली, हरियाणा को भी बिजली दी है। बोकारो स्टील जो सार्वजनिक क्षेत्र का संयंत्र है, उसे 220 मेगावाट बिजली हम निरन्तर देते रहते हैं। विकास के लिए सरकार को बिजली की जितनी जरूरत है, उसमें चन्द्रपुरा थर्मल पावर प्लांट करीब 03 प्रतिशत का योगदान देता है। आशा है, कि आने वाले सात से साल में उसे हम 07 प्रतिशत तक पहुंचाएंगे।' यह कहना है डीवीसी चन्द्रपुरा थर्मल पावर प्लांट के मुख्य अभियंता सह-परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय का। उन्होंने 'मिथिला वर्णन' के साथ एक खास बातचीत में उक्त बातें कहीं।

एक प्रश्न के जवाब में श्री पांडेय ने कहा कि हमारे पास कोयला है, पानी की सुविधा है, हमारे पास जमीन है, कुल 1888 एकड़ जमीन हमारे पास उपलब्ध है। हमारे पास क्षमता है कि हम एक और पावर प्लांट यहां स्थापित कर सकें। प्रधानमंत्री का जो विजन है, उसते तहत यहां 800 मेगावाट यूनिट का एक अतिरिक्त प्लांट लगाने की प्रक्रिया चल रही है। सर्वे चल रहा है, उसके बाद डीपीआर तैयार कर इसकी स्वीकृति मिलेगी। यह नया प्लांट यहां आ जाने के बाद कम से कम एक हजार युवकों को रोजगार मिलेगा और आसपास के गांवों को बहुत सारी सुविधाएं मिलेंगी। हम आशा करते हैं कि डीवीसी चन्द्रपुरा अनवरत इस तरह यहां के लोगों की सेवा करता रहेगा।

डीवीसी चन्द्रपुरा की भावी योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि अभी डीवीसी कोडरमा में 800 मेगावाट की दो इकाई की स्वीकृति हो चुकी है, दुगार्पुर थर्मल पावर स्टेशन में एक 800 मेगावाट की इकाई की मंजूरी हो चुकी है, 660 मेगावाट की मंजूरी रघुनाथपुर में हो चुकी है, जिसमें काम भी चल रहा है। हमारे यहां जब प्लांट का लोकेशन तय हो जाएगा तो इसका डीपीआर तैयार होकर स्वीकृति मिल जाएगी। यह सब होने में लगभग एक साल का समय लगेगा और धरातल पर आते-आते डेढ़ साल में यहां का काम शुरू हो जाना चाहिए।

### पिछले वर्ष तीसरे स्थान पर रहा सीटीपीएस, तकनीकी गड़बड़ी हुई दूर

श्री पांडेय ने कहा कि दामोदर घाटी निगम भारत की बहुद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना है। अमेरिका के टेनिस घाटी प्राधिकरण की तर्ज पर स्वतंत्र भारत की प्रथम बहुद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना के रूप में डीवीसी की स्थापना 7 जुलाई 1948 को हुई थी। पिछले 75 वर्षों ऊर्जा के क्षेत्र में डीवीसी महत्वपूर्ण योगदान निभाता आ रहा है और आज यह देश की अग्रणी बिजली उत्पादक कम्पनी बन गई है। उन्होंने कहा कि चन्द्रपुरा का जो पुराना प्लांट था, वह 780 मेगावाट का था। डीवीसी में ऊर्जा उत्पादन में चन्द्रपुरा का बहुत बड़ा योगदान रहा है। अब वह पुराना प्लांट स्क्रैप होकर कट गया है। क्योंकि, उसके बहुत सारे ऐसे कंडीशन्स थे, जिसे हम लोग पूरा नहीं कर पा रहे थे और उससे अपेक्षित उत्पादन भी नहीं हो रहा था। उसकी जगह हमने यहां पर 250 मेगावाट की दो यूनिट लगाई हुई है। यह दो यूनिट लगातार जनरेशन कर रहा है। पिछले साल 2021-22 में हम लोग पूरे देश में तीसरे नम्बर पर थे। 87.14 प्रतिशत पीएलएफ हमें मिला था। इस साल कुछ तकनीकी गड़बड़ी आ गई थी। इसके बावजूद हमलोग 79.14 प्रतिशत पीएलएफ के पास हैं और तकनीकी गड़बड़ी भी दूर हो चुकी है।

### परिक्षेत्रीय विकास में सहभागिता

श्री पांडेय ने कहा कि सीएसआर (निगमित सामाजिक दायित्व) के तहत अगल-बगल के जितने गांव हैं, उनमें हमने स्कूल खोले हुए हैं, वहां पर स्पोर्ट्स की गतिविधियां होती हैं, बहुत सारे कॉलेज हैं, जिनके लैबोरेट्री, स्पोर्ट्स में हम लोग सहयोग करते हैं। साथ-साथ जीवन के उत्थान के लिए हमलोग सेल्फ हेल्प ग्रुप (स्वयं सहायता समूह) के माध्यम से **(शेष पेज- 7 पर)**

**सख्ती**

## सरकारी उत्पाद नीति के समानांतर शराब को अवैध तरीके से बेचने का मामला गहराया, सामने आया छत्तीसगढ़ कनेक्शन

# झारखंड में अब शराब घोटाला, ईडी के शिकंजे में होंगे कई सफेदपोश !

**विशेष संवाददाता**

**रांची :** झारखंड और घोटाला अब एक-दूसरे का शायद पर्याय बन चुका है। राज्य स्थापना के बाद से ही लगातार यहां घोटाले की नई-नई इबारतें रची जा रही हैं। हाल ही में जमीन घोटाले को लेकर आईएएस अधिकारी छवि रंजन का मामला ठंडा भी नहीं हुआ है कि एक और घोटाले की आशंका गहराने लगी है। यह घोटाला है शराब का, जिसकी जांच अगर गहराई से हुई तो शायद अवैध बिक्री के खेल में कई सफेदपोश प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के शिकंजे में होंगे। केंद्रीय एजेंसियों को शक है कि झारखंड में सरकारी उत्पाद नीति के समानांतर शराब को अवैध तरीके से बेचकर करके मोटा मुनाफा कमाया गया है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जांच कर रही ईडी को जांच के दरम्यान जो तथ्य हाथ लगे हैं, उनका सीधा कनेक्शन झारखंड से है। झारखंड में जो नई उत्पाद नीति बनी उसमें छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अरुणमणि त्रिपाठी को सलाहकार नियुक्त किया गया। प्रिज्म होलोग्राम एंड फिल्म सिक्योरिटीज लिमिटेड को शराब की बोतलों में होलोग्राम छापने का काम सौंपा गया। मेसर्स सुमित फेसिलिटीज लिमिटेड को शराब की बिक्री के लिए बनी चेन में मैन-पावर

सप्लाई करने का काम दिया गया है। खबरों की मानें तो ईडी छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले में इन्हीं तीनों कंपनियों को किंगपिन मानती है। ईडी ने छत्तीसगढ़ में जांच के दौरान पाया कि एक ओर नियमों का पालन करते हुए सरकार द्वारा तय होलोग्राम लगाकर सरकारी शराब की दुकानों में शराब की आपूर्ति की गई वहीं दूसरी ओर प्रिज्म होलोग्राम एंड फिल्म सिक्योरिटीज लिमिटेड ने शराब की बोतलों में होलोग्राम लगाकर शराब बनाने वाली कंपनियों को दिया। शराब कंपनियों ने इसे सरकारी खुदरा शराब की दुकानों तक पहुंचाया, जिसका हिसाब-किताब सरकारी आंकड़ों में नहीं है और यही खेल झारखंड में भी किए जाने का शक है।

### अफसरों ने खुद को बचाने का कर लिया था पूरा इंतजाम

गौरतलब है कि झारखंड में अधिकारियों ने शराब नीति में खुद को बचाने का पूरा इंतजाम कर लिया था जिसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी चाहे वो दुकान के लाइसेंस का मामला हो या आपूर्ति का, गलती पकड़े जाने पर छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई होती और अधिकारी साफ बचकर निकल जाते। राज्यपाल रमेश बैस ने उत्पाद नीति की धारा-57 पर आपत्ति जताते हुए विधेयक लौटा दिया था। गौरतलब है कि लंबे समय से विपक्ष भी झारखंड में शराब घोटाले का आरोप लगाता आया है। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी का कहना है कि झारखंड में व्यापक पैमाने पर शराब घोटाला कर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया गया है। बाबूलाल मरांडी ने यह भी कहा था कि झारखंड में उन्हीं कंपनियों को शराब नीति में अहम जिम्मेदारियां दी गईं जिनपर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इसकी जांच होनी चाहिए।

– संपादकीय –

# जनादेश का हो सम्मान

*लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है। सियासत तो सत्ता की मंजिल का रास्ता है, पर जनता जिसे चाह ले, उसे फर्श से अर्श तक पहुंचा देती है। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में ऐसा ही हुआ। कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत के साथ जीत हासिल की और भाजपा के लिए राजनीतिक दृष्टि से दक्षिण का द्वार नहीं खुल सका। वहां दरवाजे मतदाताओं ने भाजपा के लिए इस बार भी नहीं खोले। कर्नाटक चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। बूथ लेवल पर उनका संगठन और मैनेजमेंट सबसे अच्छा था। पिछले छह माह से केंद्रीय मंत्री और सांसद लगातार कर्नाटक के हर जिले का दौरा कर रहे थे। हर विधानसभा क्षेत्र में जाकर सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार कर रहे थे। इसमें करोड़ों रुपए खर्च हुए। चुनाव की अधिसूचना जारी होने तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार कर्नाटक चुनाव प्रचार की कमान संभाल रहे थे। चुनाव प्रचार के अंतिम एक सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार की कमान अपने हाथ में ले ली थी। उन्होंने कर्नाटक का विधानसभा चुनाव अपने चेहरे पर लड़ा। यहां हिंदुत्व को लेकर जो वह कर सकते थे, वो किया। इस बीच मामला बजरंगलबली से लेकर जहरीले सांप तक भी गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़्गे ने मोदी की तुलना एक जहरीले सांप से कर दी थी। वहीं, कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल के ऊपर प्रतिबंध लगाने का भरोसा जताया था। यह दोनों मुद्दे, प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार के समय, कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में आग में घी डालने के समान थे। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन दोनों मामलों में कांग्रेस को घेरा। चुनाव प्रचार के दौरान बजरंगबली भी आ गए। मोदी जी द्वारा यह भी कहा गया कि जब वोट डालने जाएं, तो बजरंगबली का नाम लेकर वोट डालें, लेकिन यह सारे प्रयास कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में असफल साबित हुए। निश्चित रूप से चुनाव परिणाम भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता से जोड़ा जा रहा है, लेकिन यह राजनीति है। हार-जीत का खेल चलता रहता है। इस बीच अंदरूनी खबरें यह भी है कि भाजपा को अपने नेताओं की बगावत का खामियाजा भुगतना पड़ा है। जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने बगावत की है, उसने भी भाजपा को चिंता में डाल दिया है। यह परिणाम भाजपा के लिए एक समीक्षा और पुनर्मंथन करने का सुअवसर है। इस चुनाव का पांच महीने बाद होने वाले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों और 11 महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के असर से भी जोड़कर देखा जाने लगा है। इस पर भी भाजपा को विचार करने का अवसर है। बहरहाल, जाहिर तौर पर कर्नाटक चुनाव कांग्रेस के लिए एक 'संजीवनी' समझी जा सकती है, जिसने उसकी आगे की आस भी जगा दी है। लेकिन, अब जिस तरह से इस चुनाव परिणाम पर बयानबाजियां हो रही हैं, एक-दूसरे पर निजी तौर पर छींटाकशी की जा रही है, वह सही नहीं है। जनता के आदेश का सम्मान और स्वच्छ राजनीति होनी चाहिए, क्योंकि ये पब्लिक सब जानती है। कहां, क्या, कैसे और किसे शय देनी है, किसे मात, यह वह तय करेगी।*

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
*(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)*

# मां- ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति

## 14 मई : मदर्स डे पर विशेष

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों ने मां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर्स डे) के रूप में मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां ही होती है जो सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना।

मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है। हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिलाकर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है। देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुआत हुई। मदर्स डे मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है। मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए, जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है।

वर्तमान में ये भारत के साथ यूके,चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

हिंदू धर्म में मां शब्द की कई व्याख्याएं हैं, लेकिन अधिकांश ज्ञान हमें अपने शास्त्रों से मिलता है। इसलिए अगर हम शास्त्रों के बारे में बात करते हैं तो वाल्मीकि रामायण में भगवान राम ने कहा है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसे'। इसका मतलब है कि मां और मातृभूमि स्वर्ग से बेहतर हैं। मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना और मां शब्द का अर्थ समझाना नामुमकिन है। मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। आवश्यकता इस बात है कि मां के लिए बस एक दिन का नहीं, बल्कि जीवन का हर क्षण उसके प्रति समर्पित और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए हो, क्योंकि मां से बढ़कर कुछ नहीं। मां है, तो जीवन है।

**– प्रस्तुति : गंगेश**

# राजनीति

ई नहि बूझल राजनीति केर,
स्तर एत्ते नीँचा खसतै।
दलगत जीवन एते मोटेतै,
निकलि न ओहि दलदल सँ हेतै।।

अपशब्दे टा भरल तूनीरे
रहि रहि ताकि के वाण चलौतै।
कतबहु लतियाओल ओ जेतै
गत्तर कोनो लाज नञि हेतै।।

देशक गरिमा रहउ जाउ बरू
बस कुरसी पर नजरि गरौतै।
जनता सगरो त्राहिमाम मे
अपने मात्र मलाई खेतै।।

पढल लिखल मूरख बनि रहतै
ज्ञानी औंठा छाप कहौतै।
आतंकी बंचक व्यभिचारी
न्यायक हित सब नीति बनौतै।।

अप्पन सत्ता सुख केर संगहि
सात जनम ले संग्रह करतै।
चोरि धरेने जोरे बजतै
कहि अन्याय गोहारि लगौतै।।

जाति धरम मे भेद देखा के
भाई भाई केँ खूब लड़ौतै।
अपने बाजल शब्द के छन मे
पलटि अपर के मूर्ख बनौतै।।
औ नेतागण मूर्ख न जनता
नीक बेजाय ई सब बूझै छै।
अपन कएल किरदानी मे फँसि
आगू केर नै बाट सूझै छै।।

एत्ते निच्चाँ नै उतरी जे
पुनः उठै केर रहय न होश।
भरि रहलै अछि जन जन मे
उचित दण्ड देब'ले जोश ।।

**– शम्भुनाथ–**

# विद्यार्थियों ने फिर दिखाई मेधाविता

## सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम... 10वीं में रिषिमा, राहुल व प्राची, तो 12वीं में आशीष व निकिता बने टॉपर; विभिन्न स्कूलों का उम्दा प्रदर्शन

संवाददाता

**बोकारो :** झारखंड की शैक्षणिक राजधानी माने जानेवाली इस्पातनगरी बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी मेधाविता का परचम लहराया है। सीबीएसई 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उम्दा परिणाम पाने में कामयाबी हासिल की है। 10वीं में डीपीएस बोकारो की छात्रा रिषिमा तिवारी, चिन्मय विद्यालय के छात्र राहुल कुमार और पेंटीकॉस्टल असेंबली स्कूल की प्राची चौधरी ने 99% प्रतिशत अंक लाकर संयुक्त रूप से जिला टॉपर होने का गौरव पाया। वहीं, 12वीं बोर्ड के विज्ञान संकाय में श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल के आशीष रंजन 97.8% तथा कॉमर्स में निकिता 97.6 प्रतिशत अंक लाकर जिला टॉपर रही। आर्ट्स में चिन्मय की श्रुति सिंह अव्वल रही।

### डीएवी- 4 : 12वीं में राहुल व आकृत टॉपर

12वीं बोर्ड में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर- 4 का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। 488 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें करीब 40 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विज्ञान संकाय में राहुल रंजन हांसदा (95.4 प्रतिशत) तथा वाणिज्य संकाय में आकृत कुमार (92.6 प्रतिशत) अव्वल रहे। वहीं, 10वीं बोर्ड में कुल 279 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिसमें करीब 46 बच्चों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर अपना एक स्वर्णिम इतिहास रच दिया। 10वीं बोर्ड में डीएवी का परचम लहराने वाली प्रथम छात्रा अमर ज्योति रही, जिसने दसवीं बोर्ड में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 97.8% अंक हासिल किया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा अदिति कश्यप रही, जिसने 97.4% अंक प्राप्त किया। वहीं, तृतीय स्थान शिखा कुमारी और स्वीटी कुमारी ने 97% अंक प्राप्त कर अपना नाम विद्यालय के इतिहास में दर्ज कराया। प्राचार्य ए के झा ने सभी परीक्षार्थियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यदि विद्यार्थी अपने जीवन में संयम और अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएं तो सफलता तय है।

### मिथिला अकादमी का शत-प्रतिशत परिणाम

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल का 12वीं और 10वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। 12वीं परीक्षा में कुल 40 विद्यार्थी समिल्लित हुए, जिसमें 32 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान एवं 10वीं में शामिल होने वाले 135 बच्चों में 118 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रौशन किया। विज्ञान संकाय की बानी शैली ने 94.2% अंक लेकर स्कूल में पहला स्थान हासिल किया। वहीं, 10वीं की परीक्षा में गौरव वर्मा ने 96.6 % फीसदी अंक लेकर स्कूल में पहला स्थान हासिल किया। विद्यालय के अध्यक्ष हरिमोहन झा, मिथिला सांस्कृतिक परिषद के महासचिव अविनाश कुमार झा, प्राचार्य अशोक कुमार पाठक ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामना दी।

### 'आइपेक' के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

बोकारो के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान आईपेक के छात्रों ने सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में एकबार फिर से ऐतिहासिक परिणाम दिया। 12 वीं के छात्र आशीष रंजन 97.8 प्रतिशत लाकर जहां बोकारो जिला टॉपर बने, वहीं 10वीं की ऋषिमा तिवारी ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर जिला टॉपर बन आईपेक के साथ साथ अपने परिवार का भी नाम रोशन किया। संस्थान के मुख्य कर्ता-धर्ता ऋषि झा ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए उनके सुनहरे भविष्य की कामना की। विश्वासपूर्वक कहा कि सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से ही सुंदर मुकाम हासिल किया जा सकता है, जिसमें बोकारो के बच्चे सदा से अव्वल रहे हैं।

### 10वीं की परीक्षा में डीपीएस बोकारो का ऐतिहासिक प्रदर्शन

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अपनी कामयाबी का डंका बजाया। 10वीं की परीक्षा में इस स्कूल के 58 बच्चों को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। विद्यालय की छात्रा रिषिमा तिवारी ने सर्वाधिक 99 प्रतिशत अंक अंक लाकर अव्वल होने का गौरव हासिल किया। 98.4 प्रतिशत अंक लाकर स्वप्निल स्निग्ध दूसरे तथा अमनदीप प्रकाश व उत्कर्ष राज ने 98.2 फीसद अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ पांच परीक्षार्थियों में रिषिमा तिवारी (99 प्रतिशत), स्वप्निल स्निग्ध (98.4 प्रतिशत), अमनदीप प्रकाश व उत्कर्ष राज (98.2 प्रतिशत), अभिषेक रॉय, अभिनीत शरण व तान्या पांडेय (98 प्रतिशत), आर्यन कुमार (97.8 प्रतिशत) तथा आकर्ष दुबे व सप्तर्षि बनर्जी (97.6 प्रतिशत) शामिल रहे। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा एक बार फिर ऐतिहासिक परिणाम लाए जाने पर प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह बच्चों की मेहनत, विद्यालय के शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का ही परिणाम है।

### 12वीं में भी शानदार प्रदर्शन

सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मेधाविता का परिचय दिया। सीबीएसई 12वी की परीक्षा में डीपीएस बोकारो के 16 बच्चों को 100 में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। कॉमर्स संकाय की छात्रा निकिता घिरिया ने 97.6 प्रतिशत अंक लाकर अव्वल स्थान प्राप्त किया। 97.2 प्रतिशत के साथ उज्जवल तुलस्यान एवं 95.6% अंक लाकर सोविध पिलानिया क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, विज्ञान संकाय में सिफा परवीन 96.8 फीसद अंक लाकर स्कूल में टॉपर रही। सत्यम कुमार, साक्षी सिन्हा व शशांक मेदीरेड्डी संयुक्त रूप से 96.6 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे तथा 96.2 फीसद अंक के साथ राहुल कुमार सिंह तीसरे स्थान पर रहे। परीक्षा में कुल 441 विद्यार्थी शामिल हुए थे। परिणाम शत-प्रतिशत रहा और सभी परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। 24 विद्यार्थियों को 95 प्रतिशत एवं इससे अधिक तथा 143 छात्र-छात्राओं को 90 फीसद व इसे ज्यादा अंक मिले। 337 छात्र-छात्राओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा तथा 404 ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। वहीं, विभिन्न विषयों में कुल 16 विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत अंक मिले।

### डीपीएस चास : साइंस में युवराज, तो कॉमर्स में ऋषव टॉपर

डीपीएस चास के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में रिकॉर्ड प्रदर्शन कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष 12वीं की परीक्षा में कुल 55 विद्यार्थी शामिल हुए थे। परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विज्ञान संकाय में युवराज कुमार 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर रहे। उन्होंने कंप्यूटर साइंस में 95, रसायन विज्ञान में 95 व भौतिकी में 95 अंक प्राप्त किया है। सागर राज 92 प्रतिशत अंकर लाकर दूसरे स्थान पर रहे। वहीं अभिव्यक्ति रंजन 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रही। वाणिज्य संकाय में ऋषव राज कुमार 91.6 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय टॉपर बने। अमन सागर वर्णवाल दूसरे और हर्षित तीसरे स्थान पर रहे। स्कूल की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे, प्रो-वाइस चेयरमैन एन. मुरलीधरन व सदस्य सुरेश कुमार अग्रवाल ने भी बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी है।

### 10वीं में अदिति शुभम टॉपर

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में डीपीएस चास का उम्दा प्रदर्शन रहा। इस साल 72 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। अदिति शुभम 97.8 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय टॉपर रही। अदिति बड़ी होकर एक फेमस सर्जन बनना चाहती है। उसका सपना है कि वह एक डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करे।

### टॉपर्स टॉक : सीए बन देश की आर्थिक उन्नति में हाथ बंटाना चाहती है निकिता

कॉमर्स संकाय में 97.6 प्रतिशत अंक लाकर टॉपर रही दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की छात्रा निकिता घिरिया की दिली ख्वाहिश आगे चलकर एक सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की है। बचपन से यह उसकी तमन्ना थी। वह देश के आर्थिक सशक्तिकरण में अपना योगदान देना चाहती है। दुमका निवासी श्रृंगार प्रसाधन व्यवसायी नीरज घिरिया एवं गृहिणी निशा घिरिया की सुपुत्री निकिता ने परीक्षा के लिए लगभग आठ घंटे तक रोजाना पढ़ाई की। विषयवार उसे अंग्रेजी में 96, अकाउंटेंसी में 99, बिजनेस स्टडीज में 99, इकोनॉमिक्स में 98 और फिजिकल एजुकेशन में 96 अंक मिले हैं। निकिता अपनी मां निशा घिरिया को ही अपना आदर्श मानती है। उसे पढ़ाई के साथ-साथ कुकिंग का भी शौक है। उसने दसवीं की परीक्षा 99.2 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। उसने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, अन्य परिजनों तथा डीपीएस बोकारो के सभी शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया है।

### मेहनत का कोई विकल्प नहीं : रिषिमा

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक लाकर टॉपर रही डीपीएस बोकारो की छात्रा रिषिमा तिवारी का मानना है कि सफलता के लिए मेहनत को छोड़कर दूसरा कोई विकल्प नहीं होता है। उसने नाकामी से घबराने वाले युवाओं को अपने संदेश में कहा कि यह जीवन की अंतिम परीक्षा नहीं है। कठिन परिश्रम और लगन के साथ अगर अपने लक्ष्य की दिशा में हम आगे बढ़ें, तो कामयाबी एक न एक दिन जरूर मिलती ही है। बोकारो इस्पात संयंत्र में उपमहाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) रमेश चंद्रा एवं गृहिणी रानी तिवारी की सुपुत्री रिषिमा ने यह कामयाबी पाने के लिए रोजाना लगभग आठ घंटे तक पढ़ाई की। विषयवार उसे अंग्रेजी में 97, संस्कृत में 100, आईटी में 100, सोशल स्टडीज में 98, साइंस में 99 और गणित में 99 अंक मिले हैं। वह आगे चलकर एक डॉक्टर बनना चाहती है। रिषिमा अपने पिता रमेश चंद्रा को ही अपना आदर्श मानती है। एक सवाल के जवाब में कहा कि उसके पिता ने कड़ी मेहनत की बदौलत आज यह मुकाम हासिल किया है और वे ही उसके लिए संघर्ष की प्रेरणा हैं। सिवान की मूल निवासी रिषिमा को पढ़ाई के साथ-साथ गायन और चित्रांकन का भी शौक है।

### चिन्मय विद्यालय : 10वीं में 106 विद्यार्थियों को 90 फीसदी से अधिक अंक

2023 की सीबीएसई दसवीं में चिन्मय विद्यालय बोकारो का रिजल्ट बेहतरीन रहा। राहुल कुमार 99 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान पर रहे। दूसरे और तीसरे स्थान पर लड़कियों ने बाजी मारी। दूसरे स्थान पर रही खुशी किरण को 98.2 प्रतिशत अंक मिला, जबकि संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर लायवा उसमानिया एवं अनुप्रिया रही है। इन दोनों को समान अंक 97.8 प्रतिशत प्राप्त हुआ है। विद्यालय के 106 छात्रों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि 28 बच्चों को आईटी में, 6 बच्चों को गणित में, सामाजिक विज्ञान में एक और संस्कृत में 5 बच्चों को शत-प्रतिशत अंक मिले हैं। विद्यालय के अध्यक्ष बी. मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा सहित समस्त विद्यालय परिवार ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

**12वीं में अदिति टॉपर :** सीबीएसई 12वीं बोर्ड में चिन्मय विद्यालय के छात्रों ने बेहतरीन सफलता प्राप्त की। छात्रा अदिति भारद्वाज कॉमर्स में 97 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में टॉपर रही। जबकि, साइंस में रोनित राज विद्यालय टॉपर हुए हैं, जिनका प्राप्तांक है 96.2 प्रतिशत है। वहीं आर्ट्स में श्रुति सिंह अव्वल आई है।

**नमामि गंगे- नदियों की रक्षा के आह्वान को लेकर गोलबंद हुए लोग**

# जल-स्रोतों की रक्षा सामूहिक जिम्मेदारी : दिलीप शेखावत



**संवाददाता**

**बोकारो :** नमामि गंगे परियोजना के तहत आमजनों को नदियों एवं अन्य जरूरतों को स्वच्छ रखने में जनसहभागिता के आह्वान को लेकर बोकारो में जिला प्रशासन के तत्वावधान में मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों के अलावा भारी संख्या में आमलोग और स्कूली बच्चे भी पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। गंगा रन (मैराथन) दौड़ का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत कर रहे थे। यह गंगा रन (मैराथन) बोकारो हवाई अड्डा से शुरू कर राम मंदिर चौक से होते हुए सेक्टर-5 पत्थरकट्टा चौक तक गई। फिर वापस पत्थरकट्टा से सिटी पार्क जलाशय के किनारे समाप्त हुई। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चास पुरुषोत्तम कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (नगर) कुलदीप कुमार, नोडल पदाधिकारी (मनरेगा) कज दुबे, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित सीआरपीएफ के जवान के साथ साथ विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी और गैरसरकारी व स्वयंसेवी संगठनों के लोग भी शामिल हुए।

इस अवसर पर चास एसडीओ श्री शेखावत ने कहा कि छोटी-बड़ी सभी नदियों, जलाशयों, तलाबों व अन्य जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसमें आमलोगों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों की भी जिम्मेदारी बनती है, ताकि स्वच्छ गंगा स्वच्छ जल में रह सके। उन्होंने आगे कहा कि हमारी जितने भी जलाशय या नदियां हैं, उन्हें हमें स्वच्छ रखना जरूरी है, क्योंकि ये ही पीने के पानी का मुख्य स्रोत हैं। साथ ही उन्होंने आम जनमानस से जल का सही उपयोग करते हुए अपने जिला को स्वच्छ बनाने की अपील की।

## 23 केंद्रों पर होगा नदियों का पूजन

**संवाददाता**

**बोकारो :** दामोदर बचाओ आंदोलन के तत्वावधान में आगामी 30 मई 2023 को गंगा दशहरा के दिन बोकारो जिला अंतर्गत दामोदर नद एवं उसकी सहायक कोनार, जमुनिया, इजरी, खांजो, गवाई एवं गरगा नदी के 23 केंद्रों पर नदी पूजन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जन जागरूकता के तहत नदी पूजन एवं उसके संरक्षण पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा। उक्त जानकारी दामोदर बचाओ आंदोलन बोकारो जिला सह-संयोजक सह मीडिया प्रभारी अभय कुमार मुन्ना ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला संयोजक सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा ने केंद्र संयोजकों की जिम्मेवारी तय की है। केंद्र संयोजक अपने स्तर से तैयारी बैठक कर आयोजन की रूपरेखा के साथ समाज के सम्मानित जनों को मुख्य अतिथि बनाना तय कर करेंगे।

## संत पॉल मार्डन स्कूल : 10वीं में जागृति बर्णवाल स्कूल टॉपर

**बोकारो थर्मल :** बोकारो थर्मल स्थित संत पॉल मार्डन स्कूल में सीबीएसई दसवीं की परीक्षा में स्कूल की छात्रा जागृति बर्णवाल स्कूल टॉपर रही। जागृति को 95.8 फीसदी अंक प्राप्त हुए। स्कूल के दूसरे टॉपर अबतासर आलम को 93.6 फीसदी तथा तीसरे टॉपर छात्र आशीष यादव को 91 फीसदी अंक मिले। स्कूल की बारहवीं परीक्षा का परिणाम भी शत- प्रतिशत रहा। स्कूल सोसायटी के इमैनुअल तिवारी, एसएन डे, सुरेश गायकवाड़ तथा प्राचार्य स्वाति प्रियंका के ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

**अपील** नए परियोजना पदाधिकारी की झारखंड कोयला श्रमिक संघ के साथ बैठक

# सकारात्मक सोच के साथ स्वांग कोलियरी की उन्नति में मिलकर बंटाएं हाथ : तिवारी

**संवाददाता**

**गोमिया :** बोकारो जिला अंतर्गत कथारा सीसीएल क्षेत्र की स्वांग कोलियरी परियोजना के नए परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार तिवारी और झारखंड कोयला श्रमिक संघ के साथ परिचयात्मक बैठक हुई। श्रमिक पदाधिकारियों ने परियोजना पदाधिकारी को बुके देकर स्वागत और शाल ओढ़ाकर अभिनंदन करने के बाद परियोजना के विभिन्न समस्याओं को संक्षेप में अवगत कराया। इस मौके पर परियोजना पदाधिकारी ने यूनियन से सकारात्मक सोच के साथ कोलियरी के उन्नति और शांति और मधुर संबंध बनाते हुए उत्पादन में वृद्धि के लिए सहयोग करने का अनुरोध किया। सीसीएल स्वांग वाशरी परियोजना क्षेत्र सचिव मुमताज आलम ने पीओ को भरोसा दिलाया कि उनका उद्योग हित और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि मानते हुए मजदूरों को वाजिब अधिकार के लिए प्रायः वार्ता और औद्योगिक संघ का पक्ष रखते रहेंगे।

इस मौके पर सुरक्षा वेलफेयर संबंधित कार्य, आवासों की मरम्मत, सड़कों, कॉलोनी की नाली सफाई व नाला निर्मित, सार्वजनिक स्वास्थ्य मेडिकल कैंप, बिजली, बंद पड़े पिपराडीह स्थानीय बेरोजगार युवाओं को छोटे-मोटे काम देने हेतु आदि मुद्दों पर प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया गया। मौके पर झारखंड श्रमिक संघ के स्वांग वाशरी परियोजना के सचिव मुमताज आलम सहित मेघलाल महतो, गुरुपद राय, अरविंद सिन्हा, भोला यादव, राजकिशोर विश्वकर्मा, कमल देव, चेतो मांझी, रीतलाल मांझी आदि मौजूद रहे।

## हफ्ते की हलचल

### राष्ट्रीय लोक अदालत में 111518 वादों का निष्पादन

**बोकारो :** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली तथा झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो कुमारी रंजना अस्थाना की अध्यक्षता में को राष्ट्रीय लोक अदालत-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन शनिवार को जिले के सभी नौ प्रखंडों में किया गया। बोकारो न्याय सदन में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा की अध्यक्ष सुश्री अस्थाना, बोकारो डीसी उपायुक्त सह डाालसा के उपाध्यक्ष कुलदीप चौधरी, एसपी सह डालसा सदस्य चन्दन कुमार झा, कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश आलोक कुमार दुबे, श्रम न्यायालय के पीठासीन पदाधिकारी अनुज कुमार, जिला उपभोक्ता फोरम के जेपीएन पांडेय, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार व चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभुको कों लाभ एवं चेक का वितरण किया गया कुल 119542 वादों को निष्पादन हेतु रखा गया, जिनमें से कुल 111518 का निष्पादन हुआ, जिसमें कुल समझौता राशि 65,74,24,456 हुई। वहीं, सशक्तिकरण शिविर में लाभुकों की संख्या 228192 एवं परिसंपत्ति वितरण की कुल राशि 1,07,34,95,083 रुपए रही। उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो की सचिव निभा रंजना लकड़ा ने दी।

### समाजसेवियों ने जरूरतमंद बेटी की शादी में की मदद

**बोकारो :** बोकारो के समाजसेवियों ने बीएसएल एलएच निवासी कर्मयोगी भवनाथ ठाकुर की पुत्री की शादी में आर्थिक सहयोग किया। शनिवार को नया मोड़ में बीएसएल के सीजीएम बीएस पोपली, समाजसेवी कुमार अमरदीप, छोटू बाबू, आलोक रस्तोगी व राज कपूर चौधरी ने कर्मयोगी की पुत्री को मोबाइल, साड़ी व अन्य सामान दिए। उन्होंने इन्हें आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। शादी में भोजन की व्यवस्था की। सीजीएम बीएस पोपली ने कहा कि समाज के उत्थान की दिशा में काम किया जा रहा है। गरीब लोगों के सहयोग को लेकर कदम आगे बढ़ाया जा रहा है। यह काम जारी रहेगा। समाजसेवी कुमार अमरदीप ने कहा कि गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास हो रहा है। इसके अलावा क्षेत्र के गरीब लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया जा रहा है। मौके पर परशुराम राम, भवनाथ ठाकुर आदि मौजूद रहे।

### 800 बच्चों ने खेल व कला में दिखाई अपनी प्रतिभा

**बोकारो :** चिन्मय विद्यालय में तीन दिवसीय समर कैंप- रेडियंट सीवी 2023 का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में पुरस्कार वितरण के साथ हो गया। विद्यालय अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय ने अपने संबोधन में बच्चों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कैम्प के आयोजन से बच्चे अनेक तरह की गतिविधियों को सीखते हैं। इससे बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा तो सामने आती ही है, उनमें आपसीतालमेल, नेतृत्व की क्षमता, भावनात्मक मजबूती एवं सम्पूर्ण व्यक्तित्व का भी विकास होता है। कैम्प में लगभग 800 बच्चों ने शिविर में विभिन्न स्पोर्ट्स, इंग्लिश, हिंदी, खाना पकाना, फिल्म निर्माण, सामाजिक अध्ययन, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नृत्य, गायन, संगीत में जमकर अपनी प्रतिभा बिखेरी। विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी व प्राचार्य सूरज शर्मा ने भी सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दीं एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### जीजीईएसटी में तहत दो छात्रों को मिला रोजगार

**बोकारो :** गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, बोकारो में एसीसी लिमिटेड कंपनी द्वारा प्लेसमेंट कैंपस आयोजित किया गया। इसमें कॉलेज के 20 छात्रों ने आवेदन भरा। रिक्रूटमेंट टीम के बतौर कंपनी के अधिकारी कंपनी की देबब्रत मंडल और अमित कुमार पंडित रहे। कालेज की तरफ से टीपीओ प्रा. रोही प्रसाद तथा सिविल विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद वर्मा उपस्थित रहे। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद जिन दो छात्रों को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ। प्रवीण कुमार तथा आकाश रंजन को इसका लाभ मिला। दो अन्य छात्रों के नाम कंपनी द्वारा विचाराधीन हैं। कॉलेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरूहार ने चयनित छात्रों को बधाई दी और कहा कि कालेज अपने छात्रों के प्लेसमेंट के प्रति कृत-संकल्प है। संस्थान अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह तथा सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने कालेज को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

# ओवरकांफिडेंस कहीं ले न डूबे नीतीश का जदयू!

**सियासत... संगठन में अपराधवाद का आरोप, नहीं थम रहा इस्तीफों का दौर**

## जानिए... पलायन की वजह

आरजेडी, कांग्रेस समेत 6 पार्टियों के साथ जेडीयू अभी बिहार में सरकार चला रही है। वोट प्रतिशत के हिसाब से देखा जाए तो यह 52 फीसदी से भी अधिक है. बिहार विधानसभा में इन पार्टियों की संख्या 160 से अधिक है। नीतीश कुमार इसी स्थिति को आधार मानकर देशभर में गठबंधन बनाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। अन्य राज्यों में नीतीश बिहार का उदाहरण भी दे रहे हैं. ऐसे में पार्टी छोड़ रहे नेताओं ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। परंतु, हाईकमान पर सवाल उठाकर नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। नेताओं के पार्टी छोड़ने पर जेडीयू हाईकमान ने चुप्पी साध रखी है।

**स्थानीय समीकरण पड़ रहा भारी-** जेडीयू में सबसे अधिक इस्तीफा स्थानीय समीकरण की वजह से हो रहा है। आरजेडी और जेडीयू दोनों का जनाधार सीमांचल और शाहाबाद इलाके में मजबूत है। अधिकतर सीटों पर दोनों के बीच आमने-सामने की लड़ाई भी होती रही है। इनमें से कई जगहों पर आरजेडी का दबदबा अधिक है। अब दोनों के मिल जाने से लोकल स्तर पर नेताओं को राजनीति करने में असहजता महसूस हो रही है।

### लोकसभा में सीट बंटवारा

सियासी पंडितों की मानें, तो उपेंद्र कुशवाहा और मीना सिंह जैसे नेताओं का इस्तीफा लोकसभा सीट की वजह से हुआ है। मीना सिंह आरा सीट से चुनाव लड़ती रही हैं, लेकिन सियासी गलियारों में इस बार यह सीट महागठबंधन में माले के खाते में जाने की चर्चा है। बिहार के राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में कई सांसद और पूर्व सांसद पार्टी छोड़ सकते हैं। इनमें सीमांचल और शाहाबाद के अधिकांश नाम होंगे। पार्टी में बिखराव का बड़ा कारण गुटबाजी भी माना जा रहा है।

### कहीं चंद्रबाबू नायडू की तरह न हो जाए नीतीश का हाल!

बीजेपी के खिलाफ विपक्षी नेताओं को जोड़ने में जुटे नीतीश कुमार पर हाल ही में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने तंज कसा था। किशोर ने कहा था कि 2019 से पहले आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू भी इसी तरह की मुहिम चला रहे थे। पीके का दावा है कि 2019 में नायडू इस मुहिम में असफल भी रहे और खुद की पार्टी भी नहीं बचा पाई। नीतीश कुमार का भी हाल यही होने वाला है। 2024 के बाद न तो जेडीयू बचेगी और न नीतीश मिशन में सफल होंगे।

### 10 साल में छह बार पलटे नीतीश

2003 में जॉर्ज फर्नांडिज की समता पार्टी और शरद यादव के जनता दल को मिलाकर जनता दल यूनाइटेड का गठन किया गया था। 2004 में शरद यादव को इसका अध्यक्ष बनाया गया। 2005 के चुनाव में जेडीयू नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनावी मैदान में उतरी। नीतीश को बीजेपी का भी समर्थन मिला और 2005 के नवंबर में नीतीश कुमार पूर्ण बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बनने में कामयाब रहे। 2013 में नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ लिया। इसके बाद पिछले 10 सालों में नीतीश कुमार 6 बार सियासी पलटी मार चुके हैं। 2013 में बीजेपी से गठबंधन तोड़ने के बाद 2014 का चुनाव नीतीश ने अपने बूते लड़ा, लेकिन करारी हार हुई। इसके बाद 2015 में आरजेडी के साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरे, जहां इसके बाद 2015 में आरजेडी के साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरे। जबरदस्त जीत मिली। 2017 में नीतीश आरजेडी का साथ छोड़ बीजेपी में चले गए। इसके बाद 2019 और 2020 का चुनाव बीजेपी से मिलकर लड़े। फिर 2020 में चिराग प्रकरण के बाद नीतीश कुमार बीजेपी से फिर नाराज हो गए और 2022 में नीतीश और बीजेपी का गठबंधन फिर से टूट गया। नीतीश इसके बाद महागठबंधन में आ गए।

**विशेष संवाददाता**

**पटना :** नीतीश कुमार और उनके समर्थकों का ओवरकांफिडेंस शायद जदयू के लिए ठीक नहीं। महागठबंधन का मजबूत जोड़ होने के बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू में भगदड़ मची है। जुलाई 2022 में बीजेपी से गठबंधन तोड़ने के बाद से ही जेडीयू में आंतरिक उथल-पुथल मची है। महागठबंधन में आने के बाद नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के नेता खुद को अधिक मजबूत बताते हैं। नीतीश का यह बयान कि 'जो जाना चाहते हैं, वो चले जाएं...' उनके अति आत्मविश्वास को दर्शाता है, वहीं इससे कुछ लोग खफा भी हो गए। उनके इस बयान के बाद से लगभग 6 बड़े नेता जेडीयू छोड़ चुके हैं। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, पूर्व सांसद मीना सिंह और माधव आनंद जैसे नाम शामिल है।

हाल में प्रदेश के फायरब्रांड प्रवक्ता रहीं सुहेली मेहता ने अपना इस्तीफा दे दिया। मेहता करीब 6 महीने से पार्टी में साइड लाइन चल रही थीं। पटना यूनिवर्सिटी में सहायक प्राध्यापक सुहेली मेहता कुशवाहा जाति से आती हैं और जेडीयू में उन्हें आरसीपी सिंह गुट का माना जाता रहा है। इस्तीफा देते हुए मेहता ने कहा कि नीतीश कुमार अब अपराधियों की बदौलत सरकार चला रहे हैं। मेहता ने जेडीयू हाईकमान पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी अपने मूल धारणा से भटक गई है। मेहता ने कहा कि चापलूसों की हाथ में जेडीयू की बागडोर है। मेहता से पहले मीना सिंह, राशि खत्री, उपेंद्र कुशवाहा, शंभुनाथ सिन्हा और माधव आनंद जैसे नेता भी इसी तरह का आरोप लगाकर जेडीयू छोड़ चुके हैं। सुहेली 2015 में परबत्ता सीट से भी चुनाव लड़ चुकी हैं। हालांकि, जीतने में कामयाब नहीं हो पाई थीं। 2016 में उन्हें आरसीपी सिंह ने जेडीयू में शामिल कराया था। इसके बाद उन्हें प्रदेश महासचिव और प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई थी।

### कुशवाहा का इस्तीफा रहा झटका

पार्टी छोड़नेवाले नेताओं में बात करें पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की, तो उन्हें नीतीश कुमार का काफी करीबी माना जाता था। कुशवाहा ने फरवरी 2023 में जेडीयू से इस्तीफा देते हुए खुद की पार्टी बना ली। कुशवाहा उस वक्त अपने साथ जेडीयू के कई नेताओं को भी तोड़कर ले गए। कुशवाहा लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद यानी चारों सदनों के नेता रह चुके हैं। वह नरेंद्र मोदी सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री रह चुके हैं। जदयू में नंबर-2 के पद संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष भी थे। कुशवाहा का इस्तीफा जेडीयू के लिए इस मायने में भी झटका माना गया, क्योंकि पार्टी का जनाधार ही कुशवाहा-कुर्मी है। जानकारों की मानें तो बिहार में कुशवाहा और कुर्मी की संख्या करीब 8 फीसदी है। लोकसभा की 4 सीटों पर उपेंद्र कुशवाहा की मजबूत पकड़ है।

### उपेक्षा का आरोप

आरा की पूर्व सांसद मीना सिंह ने उपेक्षा का आरोप लगाते हुए मार्च 2023 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सिंह 2008 में अपने पति अजीत सिंह की मौत के बाद जेडीयू में शामिल हुई थीं। अजीत सिंह विक्रमगंज (अब काराकाट) सीट से लोकसभा के सांसद थे। मीना 2008 से 2014 तक लोकसभा की सांसद रही हैं। 2014 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। शाहाबाद इलाके में मीना सिंह के परिवार को काफी प्रभावशाली माना जाता है। इनके ससुर तपेश्वर सिंह विक्रमगंज से सांसद रह चुके हैं और बिहार में उन्हें सहकारिता का सम्राट कहा जाता था। मीना के पार्टी छोड़ने के बाद आरा-भोजपुर जेडीयू में कई इस्तीफे अब तक हो चुके हैं।

### चुनाव प्रबंधन के धुरंधर माधव

जेडीयू में प्रवक्ता रहे माधव आनंद ने उपेंद्र कुशवाहा के साथ ही पार्टी छोड़ दी थी। आनंद को कुशवाहा का काफी करीबी माना जाता है। आनंद कुशवाहा की पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव की भूमिका निभा रहे हैं। आनंद चुनावी मैनेजमेंट के माहिर नेता माने जाते हैं।

**राशि खत्री-** जेडीयू की प्रदेश सचिव राशि खत्री ने मार्च में अपने समर्थकों के साथ पार्टी से इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया। तेजतर्रार नेता खत्री मुजफ्फरपुर जिले की रहने वाली हैं और जिला संगठन में भी काम कर चुकी हैं।

### शंभुनाथ का दावा- 80 लाख कार्यकर्ता 'कंप्यूटर में बंद'

जेडीयू के प्रदेश महासचिव रह चुके शंभुनाथ सिन्हा ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ मार्च ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। सिन्हा ने पार्टी की कमजोर होती स्थिति पर सवाल उठाया और कहा कि 80 लाख कार्यकर्ता कम्प्यूटर में ही बंद हैं।

## दरभंगा एम्स के निर्माण में तेजी के आसार

**दरभंगा :** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दूसरे फेज का निर्माण दरभंगा में तेजी के साथ शुरू होने की संभावना दिख रही है। बिहार में पटना के बाद यह दूसरा एम्स बन रहा है। बिहार सरकार ने इस और बड़ा कदम उठाते हुए 309 करोड़ों रुपए इस निमित्त जारी कर दिए हैं। इसके लिए प्रस्ताव पर नीतीश कैबिनेट की बैठक में पहले ही स्वीकृति मिल गई थी। दरभंगा एम्स के लिए बहादुर अंचल अंतर्गत एकमी-शोभन बायपास रोड के किनारे कुल 189.94 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। दरभंगा में एम्स की स्थापना से पूरे मिथिलांचल में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी की दिशा में एक नया आयाम स्थापित होगा।

## धूम मचा रही मुजफ्फरपुर की शाही लीची

मिथिला डायरी

**मुजफ्फरपुर :** मुजफ्फरपुर की शाही लीची की एक बार फिर धूम शुरू हो गई है। अब कई महानगरों में इसकी खेपें भेजे जाने लगी हैं। रोजाना टन के टन रेलमार्ग से लीची मुंबई, दिल्ली, कोलकाता जैसे महानगरो में भेजी जा रही है। रेलवे प्रबंधन की ओर से भी इसे लेकर खासी तैयारी की गई है।

# आत्मिक सुख का अभिलाषी है मनुष्य

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

बृहदारण्यक उपनिषद का यह श्लोक बड़ा ही महत्वपूर्ण और भाव भरा और गहन अर्थ लिये हुए है-

*आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः।*
*मैत्रेय्यात्मनो वा अरे दर्शनेन श्रवणेन मत्या विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्।।*

हम जीते किस लिये हैं, आनन्द की प्राप्ति के लिए! हमारी सारी क्रियाएं किस ओर गतिशील हैं, कि हमें आनन्द की प्राप्ति हो। हमारी सारी भावनाएं, हमारी सारी कामनाएं इसलिए हैं कि हमें आनन्द की प्राप्ति हो। हमारी बुद्धि भी आनन्द की प्राप्ति के लिए ही गतिशील है।

याज्ञवल्क्य यह कहते हैं कि मनुष्य सारे सुख अपनी आत्मा के सुख के लिए करता है। उसकी आत्मा प्रसन्न हो, उसकी आत्मा तृप्त हो। मनुष्य आत्मिक सुख का अभिलाषी है, इसलिए वह अपनी घर-गृहस्थी, संसार बसाता है। इसी आत्मिक सुख हेतु योगी, यति, संन्यासी गहन वनों में तपस्या, साधना करते हैं।

यज्ञ, मंत्र-जप, साधना, सबके पीछे यही भाव है कि हमें आत्म-सुख और शान्ति प्राप्त हो। ऋषि ने तो अपनी बात पूर्ण रूप से कही, लेकिन लोगों ने उनके शब्दों का सीधा अर्थ कर दिया, भाव को ग्रहण नहीं किया। ऋषि कह रहे हैं कि आत्मा को सुख प्राप्त होना चाहिए। यह आत्मा का सुख प्राप्त कैसे होगा? इसके लिए हमारे पास माध्यम क्या है?

हमारे पास माध्यम है, शरीर और शरीर के लिए ईंधन चाहिए, भोजन चाहिए, पानी चाहिए, देख-भाल चाहिए।

## शरीर का हो श्रेष्ठतम उपयोग

यह शरीर एक यंत्र है, आत्मा यंत्र नहीं है। पर इतना ध्यान रखें कि जैसे किसी यंत्र को श्रेष्ठ रूप से चलाने के लिए उसकी पूरी देखभाल करनी पड़ती है, इसी प्रकार इस शरीर रूपी यंत्र का भी पूरी तरह ध्यान रखें। लेकिन, उसके साथ यह सब भी ध्यान रखें कि यह मेरा शरीर की आवश्यकताएं हैं, क्योंकि शरीर, देह सबसे महत्वपूर्ण यंत्र है और इस यंत्र का, जब तक ईश्वर ने जीवन दिया है, इस यंत्र का उपयोग लेना है और इसका श्रेष्ठतम उपयोग आवश्यक है, अन्यथा ईश्वर के दिये हुए वरदान का क्या अर्थ रह जायेगा? हमें देह रूप में, मनुष्य रूप में वरदान मिला है और हमने देह का श्रेष्ठ ढ़ंग से उपयोग नहीं किया, ना इसे संभाला, ना इसका ध्यान रखा और धीरे-धीरे हम इसे कमजोर करते रहे। शरीर वह यंत्र है, जो दुःख की ओर ले जाने की सीढ़ी है और सुख की ओर ले जाने की सीढ़ी है। सीढ़ी अर्थात् जिसका एक छोर जमीन पर टिका है और एक छोर आसमान की ओर। अब जैसे सीढ़ी से नीचे उतर सकते हैं, वैसे ऊपर चढ़ सकते हैं। इस सीढ़ी के माध्यम से हम जीवन के उच्चतम स्तर पर पहुंच सकते हैं।

शरीर के माध्यम से मुक्ति, आनन्द, परमानन्द, ब्रह्मानन्द की स्थिति प्राप्त कर सकते हैं। तो इसे बहुत संभालकर रखना है, जरूरतें पूरी करनी हैं, इसको कभी खराब मत होने देना।

ऋषि याज्ञवल्क्य की बात को पूरी तरह समझा नहीं और यह अर्थ लगाया कि जीवन में धन, माया, मोह से अमृत्व प्राप्त नहीं हो सकता है, संन्यास से प्राप्त हो सकता है। इस जीवन-यात्रा में लोग मिलते हैं, बिछड़ते हैं, लेकिन एक बात याद रखो कि यह जीवन-यात्रा तुम कर किससे रहे हो, यह जीवन-यात्रा तुम अपने शरीर के माध्यम से कर रहे हो।

## शरीर का सबसे बड़ा सहयोगी बुद्धि

शरीर का सबसे बड़ा सहयोगी कौन है? शरीर का सबसे बड़ा सहयोगी बुद्धि है।

*या देवी सर्वभूतेषु बुद्धि रूपेण संस्थिता...*

लेकिन, यह बुद्धि बड़ी विचित्र है। आज विचार करना है कि 'तुम बुद्धि के वश में हो या बुद्धि तुम्हारे वश में', बात बहुत गहरी है। यदि तुम बुद्धि के अनुसार चलते रहे तो बुद्धि के गुलाम हो जाओगे, फिर तुम्हारी बुद्धि तुम्हें निरन्तर और निरन्तर दौड़ाती रहेगी, भरमाती रहेगी, कामनाओं के गहरे सागर में ले जावेगी। अभी तो मुझे और मोती चुनने हैं, अभी तो मुझे और प्राप्त करना है।

अरे भाई! आनन्द तो साथ-साथ चलने वाली सह-यात्री है। आत्मा के रूप में तुम्हारे साथ हर समय है। यही बात ऋषि मूल रूप से समझा रहे हैं। तो इसके लिए क्या आवश्यक है?

बुद्धि उपयोगी है, लेकिन बुद्धि को भी वश में करना पड़ता है। जैसे ही बुद्धि वश में होती है, हम साक्षी हो जाते हैं, स्थितप्रज्ञ हो जाते हैं और जो भीतर का सत्व है, हमारी आत्मा है, जो हमारा वास्तविक अस्तित्व है, वह सिद्ध होने लगता है।

फिर यह बुद्धि ऊपर भी ले जा सकती है, नीचे भी ला सकती है। यह शक्ति बुद्धि ही है, तो इस शक्ति को तुम्हें अपने वश में करना है या इस शक्ति के वश में हो जाना है?

विचार एक होना चाहिए, एक विचार होगा और बुद्धि उस विचार के अनुसार चलेगी तो जीवन में शान्ति आ जायेगी। हजार तरह के विचार हैं तो उपद्रव हो जायेगा जीवन में।

बुद्धि को वश में रखना है, शरीर का ध्यान रखना है, देखभाल रखनी है, तभी जीवन में सहज, स्वतंत्रता प्राप्त होगी। स्वतंत्रता ना ओढ़ी हुई हो, न किसी की दी हुई हो। सहज भाव हो। सहज स्वतंत्रता, जहां हम स्थितप्रज्ञ होकर अपने जीवन के पृष्ठों को पलटते हैं तो हर पृष्ठ में आनन्द की अनुभूति होती है और कुछ नया लिखना चाहें तो लिख भी सकते हैं, क्योंकि शरीर स्वस्थ रूप से हमारे साथ है और बुद्धि हमारी आत्मा के वश में है।

बस ध्यान रखो, अपने शरीर का। बस ध्यान रखो अपनी बुद्धि का। अवलोकन करते रहो, निरीक्षण करते रहो, न शरीर को भटकने दो और न ही बुद्धि को।

अपनी मालकियत, आत्मा की मालकियत कायम रखनी है और सहज भाव से रखनी है, बिना किसी जोर-जबरदस्ती के।

गुरु तुम्हारे साथ हैं। परमात्मा का सत्व स्वरूप यह शरीर है। बुद्धि के स्वयं मालिक हों और जीवन का आनन्द प्राप्त करें।

**(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)**

# विशेष योग में इस बार सुहागिन करेंगी वट सावित्री पूजा

ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को वट सावित्री का व्रत रखा जाता है। वट सावित्री का व्रत सुहागिन महिलाओं की ओर से रखा जाता है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। माना जाता है कि पौराणिक समय में सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लाने के लिए यह व्रत रखा था। अखंड सौभाग्य प्रदान करने वाला वट सावित्री व्रत इस बार 19 मई को है। इस दिन ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि है। इस दिन दर्श अमावस्या और शनि जयंती का भी योग बन रहा है। वट सावित्री व्रत के दिन शोभन योग का निर्माण होने जा रहा है, जो 18 मई को शाम 07 बजकर 37 मिनट से 19 मई को शाम 06 बजकर 16 मिनट तक रहेगा, साथ ही इस दिन शनि जयंती और ज्येष्ठ अमावस्या भी पड़ रही है। वहीं, इस बार वट सावित्री व्रत पर ग्रहों की स्थिति भी बेहद खास रहने वाली है, क्योंकि इस दिन शनि देव स्वराशि कुंभ में विराजमान रहेंगे। ऐसे में शनि देव की पूजा से शुभ फल की प्राप्ति होगी। इसके साथ इस दिन चंद्रमा गुरु के साथ मेष राशि में होंगे जिससे गजकेसरी योग भी बन रहा है।

## जानिए.... वट सावित्री व्रत की कथा

वट वृक्ष का पूजन और सावित्री-सत्यवान की कथा का स्मरण करने के विधान के कारण ही यह व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ। ाावित्री भारतीय संस्कृति में ऐतिहासिक चरित्र माना जाता है। सावित्री का अर्थ वेद माता गायत्री और सरस्वती भी होता है। सावित्री का जन्म भी विशिष्ट परिस्थितियों में हुआ था। कहते हैं कि भद्र देश के राजा अश्वपति के कोई संतान न थी। उन्होंने संतान की प्राप्ति के लिए मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिदिन एक लाख आहुतियां दीं। 18 वर्षों तक यह क्रम जारी रहा। इसके बाद सावित्री देवी ने प्रकट होकर वर दिया कि 'राजन तुझे एक तेजस्वी कन्या पैदा होगी'। सावित्री देवी की कृपा से जन्म लेने की वजह से कन्या का नाम सावित्री रखा गया। कन्या बड़ी होकर बेहद रूपवान थी। योग्य वर न मिलने की वजह से सावित्री के पिता दुःखी थे। उन्होंने कन्या को स्वयं वर तलाशने भेजा। सावित्री तपोवन में भटकने लगी, जहां साल्व देश के राजा द्युमत्सेन रहते थे, क्योंकि उनका राज्य किसी ने छीन लिया था। उनके पुत्र सत्यवान को देखकर सावित्री ने पति के रूप में उनका वरण किया। सत्यवान अल्पायु थे। वे वेद ज्ञाता थे। नारद मुनि ने सावित्री से मिलकर सत्यवान से विवाह न करने की सलाह दी थी, परंतु सावित्री ने सत्यवान से ही विवाह रचाया। पति की मृत्यु की तिथि में जब कुछ ही दिन शेष रह गए तब सावित्री ने घोर तपस्या की थी, जिसका फल उन्हें बाद में मिला था।

**- ज्योतिषचार्य पं. तरुण झा**
(ज्योतिष, वास्तु, एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, प्रताप चौक, सहरसा
(बिहार), मो. 9470480168

# 30 दिनों का काम अब 5 मिनट में

## बेहतरी... बीएसएल में नवीकृत आईडी कार्ड प्रणाली शुरू, डीआई ने किया शुभारंभ

**संवाददाता**

**बोकारो :** बोकारो स्टील प्लांट के इस्पात भवन में बोकारो स्टील प्लांट के नियमित अधिकारियों एवं कर्मियों सहित प्रशिक्षुओं के लिए नवीकृत आईडी कार्ड प्रणाली का उद्घाटन निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) एवं बीके तिवारी अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस रंगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अनिल कुमार सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

प्रबंधक (कार्मिक) सोनिया ने सभी का स्वागत किया तथा नवीकृत आईडी कार्ड प्रणाली के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। निदेशक प्रभारी (डीआई) अमरेन्दु प्रकाश ने इस अवसर कार्मिक एवं सी एवं आईटी विभागों की टीम द्वारा की गई इस पहल के लिए उन्हें बधाई दी तथा विश्वास जताया कि भविष्य में इस नवीकृत आईडी कार्ड प्रणाली का उपयोग कई अन्य कार्यों के लिए भी किया जा सकेगा।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान निदेशक प्रभारी द्वारा फरवरी 2023 और मार्च 2023 महीने के इम्प्लोयी ऑफ द मंथ अवार्ड से सम्मानित कर्मियों तथा वर्ष 2022 के लिए निदेशक प्रभारी शिफ्ट इन-चार्ज ऑफ ईयर से सम्मानित अधिकारियों को नवीकृत आईडी कार्ड वितरित किए गए। इसके अलावा अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद द्वारा निदेशक प्रभारी तथा सभी अधिशासी निदेशकों को भी नवीकृत आईडी कार्ड वितरित किया गया।

नवीकृत आईडी कार्ड प्रणाली बीएसएल कर्मियों के मौजूदा गेट पास के स्थान पर एक मानक आईडी कार्ड प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही नई प्रणाली पेपर लेस तथा परेशानी मुक्त ऑनलाइन प्रक्रिया है, अतः मौजूदा गेट पास प्रणाली में पहचान पत्र जारी करने में जहां 21-30 दिनों का समय लगता था, वो अब घटकर इस नई आई डी कार्ड प्रणाली में महज 5 मिनट में ही पूरी की जा सकेगी। बीएसएल के अलावा झारखंड ग्रुप ऑफ माइन्स, कोलियरीज और सीसीएसओ के कर्मचारियों को भी यह पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा।

इस संबंध में बीएसएल द्वारा एक सर्कुलर भी जारी किया गया है, जिसमें कर्मियों से अनुरोध किया गया है कि वे नए आईडी कार्ड अवश्य जारी करवाएं क्योंकि मौजूदा गेट पास सर्कुलर जारी होने के दो महीने बाद अमान्य हो जाएंगे और बोकारो स्टील प्लांट के परिसरों/कार्यालयों में प्रवेश करने के लिए नवीकृत आईडी कार्ड अनिवार्य होगा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) हरिमोहन झा ने किया।

## इधर, सीआरएम-3 के एचडीजीएल में उत्पादन का बना नया रिकॉर्ड

बीएसएल के सीआरएम-3 की अहम इकाई एचडीजीएल के कर्मियों ने मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-3) वेद प्रकाश के नेतृत्व में अपनी स्थापना के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया गया। ए शिफ्ट में 28 इनपुट कॉइल के साथ 616 टन का उत्पादन कर नया रिकार्ड बनाया गया है। इससे पहले टीम एचडीजीएल ने 26 इनपुट कॉइल के साथ 524 टन का उत्पादन 22 फरवरी 2023 को किया था। एचडीजीएल की टीम ने अपनी स्थापना के बाद से 76 इनपुट कॉइल्स के साथ 1657 टन का दैनिक उत्पाद कर नया रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले एचडीजीएल के कर्मियों ने 22 फरवरी 2023 को 68 इनपुट कॉइल्स के साथ 1464 टन का उत्पादन किया था। टीम एचडीजीएल की इस उपलब्धि पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी ने सीआरएम-3 के अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उत्कृष्टता के इस क्रम को जारी रखने का संदेश दिया। इस अवसर मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-3) वेद प्रकाश सहित सीआरएम-3 के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

## नई सुविधाओं से संवर्द्धित ब्लास्ट फर्नेस 4 हुआ चालू

बीएसएल के ब्लास्ट फर्नेस नंबर 4 में नई सुविधाओं के इन्स्टालेशन और अपग्रेडेशन के बाद बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश की उपस्थिति में लाइट-अप किया गया। इस मौके पर अधिशासी निदेशक (परियोजना) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (एमएम) ए. श्रीवास्तव, सीजीएम (ब्लास्ट फर्नेस) एमपी सिंह तथा अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे। ब्लास्ट फर्नेस नंबर 4 के मरम्मत और अपग्रेडेशन के दौरान बीसी, बीएलटी पीएलसी का इन्स्टालेशन तथा ब्लास्ट फर्नेस 4 स्किप का थायरिस्टाराइजेशन किया गया है। नई सिस्टम को पुराने और अप्रचलित एमजी सेट सिस्टम के बदले लगाया गया है। नया सिस्टम पुराने की तुलना में अधिक विश्वसनीय है और फर्नेस के डाउन टाइम को भी कम करेगा। नई प्रणाली कम ऊर्जा की खपत करेगी, जो कम कार्बन उत्सर्जन की दिशा में एक कदम और बढ़ाने में मदद करेगी। इसके अलावा नया सिस्टम फर्नेस की उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करेगी।

## स्कूल गेम्स के रूप में अब होंगे योगाभ्यास

**संवाददाता**

**बोकारो :** स्कूली बच्चों को छात्र-जीवन से ही योगाभ्यास से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास को लेकर बोकारो में एक अनोखी पहल की जा रही है। जिले के विद्यालयों में अब क्रिकेट, फुटबॉल और वॉलीबॉल जैसी खेल स्पधाओं की तरह योगाभ्यास को भी क्रीड़ा गतिविधि के रूप में शामिल किया जाएगा। विद्यार्थियों के साथ-साथ जिलावासियों को भी योग आधारित खेल-गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। इसी उद्देश्य से बोकारो जिला योगासन क्रीड़ा संघ (बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन) का गठन किया गया। शनिवार दोपहर सेक्टर- 4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में आयोजित एक बैठक के दौरान एसोसिएशन के प्रदेश सचिव विपिन कुमार पांडेय ने संघ की बोकारो जिला समिति के गठन की औपचारिक घोषणा की।

समिति में सर्वसम्मति से डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ ए एस गंगवार अध्यक्ष व उपप्राचार्य अंजनी भूषण उपाध्यक्ष बनाए गए। डीपीएस बोकारो के क्रीड़ा शिक्षक ब्रजेश कुमार सिंह व चिन्मय विद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष हरिहर पांडेय सचिव तथा डीपीएस बोकारो के प्रशासक राजन कुमार सिंह कोषाध्यक्ष बनाए गए। इनके अलावा निभा कुमारी, अनिल कुमार व राजा कुमार को संयुक्त सचिव बनाया गया। जबकि, कार्यकारिणी सदस्यों में मीनाक्षी, राजीव, देवदीप, अनुनेहा व नितिशा मुखर्जी रखी गई हैं।

## चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल
जंगल चल
जंगल का दावानल खाए
कोटि वृक्ष को राख बनाए
अग्निदेव की कथा पुरानी
सुनकर होती है हैरानी

लाखों छोटे-बड़े जीव घिर
भस्म हुए लपटों में सपरिवार
चल जंगल चल, चल
जंगल चल

चल जंगल चल, चल
जंगल चल
जंगल में लह-लह पलाश हैं
जंगल में उन्मुक्त हास हैं
जंगल में सबका है हिस्सा
जंगल दादी माँ का किस्सा

इस किस्से में जुड़ते हैं मन
मन-मन में भरता अशेष
उद्गार...जंगल
चल जंगल चल, चल
जंगल चल

(क्रमशः)

**कुमार मनीष अरविन्द**

## पेज- एक का शेष

### चंद्रपुरा में 800 मेगावाट...

सिलाई-कढ़ाई, पापड़ बनाना आदि बहुत सारी योजनाएं हम चलाते हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हम गांवों में मुफ्त चेकअप कैम्प लगाते हैं, लोगों को जरूरी दवाएं उपलब्ध कराते हैं। 2022-23 में हमलोगों ने विशेष रूप से मोतियाबिंद के इलाज का अभियान चलाया था, 150 लोगों का ऑपरेशन करवाया, उन्हें लेंस लगवाना, उनकी देख-रेख करना, खाना-पीना सब हम लोगों ने किया।

### बनाएंगे मॉडल गांव

आगे की योजना के बारे में उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में हम लोग एक गांव को गोद ले रहे हैं, जिसे हम एक मॉडल गांव बनाएंगे। बहुत जगहों पर सोलर लाइट देनी है, मंगलडाढ़ी और गोसाईंडीह में हमने सोलर पम्प लगाये हैं, जिससे कि वहां के लोगों को पीने का अच्छा पानी मिल सके, वह कमिशनिंग स्टेज में है। बहुत सारी सड़कें हमने बनाई हैं, बहुत सारे शौचालय हमने बनाये हैं और इस वित्तीय वर्ष में अमृत सरोवर योजना, जो सरकार चलाने जा रही है, उसके तहत भी हम लोग एक तालाब बनाने जा रहे हैं, उसका सारा खर्च डीवीसी वहन करेगा। इसे लेकर जिला प्रशासन के साथ हमलोगों की एक बैठक हुई है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

# रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत'

## रक्षा मंत्रालय ने कल-पुर्जों के स्वदेशीकरण को दी मंजूरी

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : रक्षा-क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा आयात को न्यूनतम करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 928 लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स (एलआरयू)/सब-सिस्टम्स/कल-पुर्जों और कंपोनेंट्स, हाई-ऐंड-मटीरियल्स और अतिरिक्त-उत्पाद सहित 715, करोड़ मूल्य के आयात प्रतिस्थापन मूल्य वाली की चौथी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) को मंजूरी दे दी है। इन वस्तुओं का विवरण सृजन पोर्टल पर उपलब्ध है। (https://srijandefence.gov.in/) इन्हें सूची में निर्धारित की गई समय सीमा के बाद ही भारतीय-उद्योग से खरीदा जा सकेगा।

पीआईएल की एलआरयू/सबसिस्टम/असेम्बली/सब-असेंबली/अतिरिक्त कंपोनेंट्स से जुड़ी यह चौथी सूची उन तीन पीआईएल की श्रृंखला की निरंतरता में हैं जिसका मुद्रण दिसंबर 2021, मार्च 2022 और अगस्त 2022 में क्रम से किया गया था। इन सूचियों में 2500 आइटम हैं जो पहले से ही स्वदेशी हैं और 1238 (351+107+780) आइटम वे हैं जो दी गई समय सीमा के भीतर स्वदेशी किए जाएंगे। अब तक देश में 1,238 (प्रथम सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची-262, द्वितीय सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची-11, तृतीय सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची-37) में से 310 वस्तुओं का स्वदेशीकरण किया जा चुका है।

रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम इस स्वदेशी-करण को विभिन्न साधनों के माध्यम से पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग के द्वारा विकसित और निजी भारतीय उद्योग द्वारा बनाया जाएगा, इससे अर्थव्यवस्था में विकास, रक्षा-क्षेत्र में निवेश और रक्षा के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आयेगी। इसके साथ ही घरेलू रक्षा-उद्योग में अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों के शामिल होने से रक्षा उपकरणों के डिजाइन क्षमता भी बढ़ेगी। डीपीएसयू शीघ्र ही इन सूचीबद्ध वस्तुओं में खरीदारी की शुरूआत करेगा। उद्योग इस मामले में अपनी रुचि (ईओआई)/प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) सृजन पोर्टल (https://srijandefence.gov.in/DashboardForPublic पर कर सकता है, जिसे इसी कार्य के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है और बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए आगे आ सकता है।

## भारत-इंडोनेशिया ने नौसैन्य अभ्यास 'समुद्र शक्ति -2023' में दिखाए दमखम

भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास समुद्र शक्ति का चौथा संस्करण जारी रहा। इस अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए आईएनएस कवारत्ती इंडोनेशिया के बाटम पहुंच गया है। कवारत्ती स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एएसडब्ल्यू लड़ाकू जलपोत है। अभ्यास समुद्र शक्ति -2023 में भारतीय नौसेना का एक डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान और चेतक हेलीकॉप्टर भी भाग ले रहे हैं। इंडोनेशियाई नौसेना का प्रतिनिधित्व केआरआई सुल्तान इस्कंदर मुदा, सीएन 235 मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट और एएस565 पैंथर हेलीकॉप्टर द्वारा किया जा रहा है। अभ्यास समुद्र शक्ति का उद्देश्य दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच पारस्परिकता, जुड़ाव और आपसी सहयोग का विस्तार बढ़ाना है। इस अभ्यास के हार्बर चरण में एक-दूसरे के युद्धपोत का दौरा, पेशेवर विचार-विमर्श, विषय-वस्तु विशेषज्ञ आदान-प्रदान करना और खेल संबंधी गतिविधियां आयोजित होना शामिल है। समुद्री चरण के दौरान हथियारों से फायरिंग, हेलीकॉप्टर संचालन, पनडुब्बी रोधी युद्ध अभ्यास और वायु रक्षा अभ्यास तथा जलपोत संचालन की गतिविधियों को संचालित करने की योजना बनाई गई है। अभ्यास समुद्र शक्ति -2023 दोनों नौसेनाओं के बीच उच्च स्तर की पारस्परिकता और समुद्री क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के प्रति आपसी साझा वचनबद्धता को प्रदर्शित करेगा।

NOETIC CLASSES
Starts From 5th June 2023
VISION : Transforming Society, Sustainably into an equitable & Vibrant Knowledge Base
SELECT YOUR UPSC MAINS OPTIONAL SUBJECT AT SCHOOLING
5+3+3+4 (CLASSES VI TO XII)
SUBJECTS : VI TO VIII (ALL SUBJECTS) IX TO X (ENGLISH & MATH, SCIENCE)
For XI
M Algebra, Trigonometry & Co-Ordinate Geo.
P Mechanics
For XII
M Calculus Vector & 3D
P Electromagnetism & Optics
Address : Main Road Chas, Bokaro - 827013
Contact : 6201336366, 8825444513
Smart Class with Wifi Facility
Science Based Activity
Quantitative Aptitude Classes
Spoken English Classes
Scholarship Available For Eligible Students
Free Demo Class

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

The Bokaro MALL
BOKARO MALL
Pride of Bokaro
Along with-